पाठ 9. जय गंगे

पाठ की भूमिका

इस पाठ का उद्देश्य बच्चों में समस्या के समाधान की क्षमता संबंधी कौशल विकसित करना है ताकि वे जीवन में आने वाली समस्याओं के समाधान से सकारात्मक रूप से निपटने की क्षमता विकसित कर सकें। राजेंद्र यादव द्वारा लिखित यह कथा ऊहापोह की स्थिति से उभरकर बड़े ही हास्य ढंग से समाप्त होती है। इस क्रम में कथाकार अंधविश्वास पर करारी चोट कर जाते हैं।

पाठ का सार

शहर से दूर एक बस्ती है, जहाँ केवल मज़दूर लोग रहते हैं। वहीं पर भगवान शिव का एक मंदिर है। एक बार बस्ती में अफवाह फैल गई कि पुजारी जी द्वारा अर्जित पुण्य के प्रभाव से गंगा जी प्रकट हुई हैं। देखते-ही-देखते वहाँ लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। मौके को ताड़कर पुजारी जी लोगों पर रौब जमाने लगे तथा चढ़ावे के बहाने से उन्हें लूटने लगे। थोड़ी ही देर में भीड़ मेले का रूप ले लेती है। फूलवाला, पंसारी आदि अपनी-अपनी दुकान लगा लेते हैं। गंगा माई की जय-जयकार से पूरा मेला गूँज उठता है, लोगों के झुँड-के-झुँड चले आ रहे हैं। अचानक एक ठेला मंदिर के पास पहुँचता है, जिसमें फावड़े, कुदालें आदि रखे हुए थे। कोट-पतलून पहने एक आदमी ठेले के साथ आ रहा है। वह बताता है कि नल की लाइन टूट गई है। इसके बाद उस स्थल का और उस स्थल पर जमा हुए धर्मांध लोगों की दशा का अंदाज़ा लगाया जा सकता है।

अध्यापन संकेत

- **मूल पाठ के लिए संकेत**

  हाल के दिनों-वर्षों में हुई ऐसी किसी धर्मांधता की घटना जैसे–'गणेश जी दूध पीने लगे'–की चर्चा के साथ पाठ का वाचन प्रारंभ किया जा सकता है। कहानी के विषय में सार रूप में पहले ही बताएँ। इसके बाद वाचन कराने पर वाक्यों में प्रकट होने वाली व्यंजना जल्दी ही बच्चे समझ सकेंगे। पाठ से संबंधित अर्जित ज्ञान की जाँच प्रश्नोत्तर द्वारा की जा सकती है। इससे बच्चों को मौखिक अभिव्यक्ति और तर्कसंगत विवेचना करने के अवसर मिलेंगे।

- **अभ्यास प्रश्नों के लिए संकेत**
  - **मौखिक प्रश्नों, पहेलियों, पठित परिच्छेद** व **पाठ आधारित प्रश्नों** के अध्यापन संकेत हेतु **पृष्ठ संख्या 40** देखें।
  - **भाषा आधारित प्रश्नों** का उद्देश्य हिंदी भाषा के व्याकरण-पक्ष को सुदृढ़ करना है।
  - संयुक्त क्रिया और सामान्य क्रिया में अंतर समझाएँ। जैसे– 'बच्चा सोया' में रेखांकित शब्द सामान्य क्रिया है जबकि 'बच्चा उठ गया' में 'उठ गया' संयुक्त क्रिया है।
  - बच्चों को, वाक्यांश क्या होता है, यह समझाएँ। वाक्यांशों के लिए एक शब्द प्रयुक्त करने पर वाक्य किस प्रकार प्रभावशाली बनता है, यह भी समझाएँ।

- **अभ्यास प्रश्नों के लिए संकेत**
  - 'धर्म के नाम पर चलती है लूट'–इस प्रकार की पिछले दिनों घटित किसी घटना की

खबर पर कक्षा में विचार-विमर्श किया जाए। इसके दुष्परिणामों के बारे में बच्चों की राय अवश्य जानें।

- एक-एक बच्चे से पूछा जाए कि उनके अपने मन, घर-परिवार या आसपास किस तरह के अंधविश्वास पनपते देखे गए हैं। उनका एक कोलॉज़ कक्षा में तैयार करवाया जा सकता है।